मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 180, मुंबई, बुधवार, 24 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R
अब हर सच होगा उजागर

टिकटॉक स्टार सोनाली फोगाट का निधन

परिवार को हत्या का शक, बहन बोली- मां से कहा था खाने में गड़बड़ है

महिला आयोग ने गोवा के डीजीपी से मांगी रिपोर्ट

मुंबई हलचल / संवाददाता

गोवा। भाजपा नेत्री सोनाली फोगाट का सोमवार रात को हार्ट अटैक से निधन हो गया, लेकिन उनके परिवार ने हत्या की साजिश का शक जताया है। सोनाली की बहन रूपेश का कहना है कि सोनाली ने खाने में गड़बड़ी होने की बात मां को बताई थी। कहा था कि इसका असर उसके शरीर पर पड़ रहा था। इसलिए परिवार को शक है कि उसकी हत्या की गई है। मामले की जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए। वहीं, सोनाली की मौत के मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने संज्ञान लिया है। आयोग ने 2 सदस्यीय टीम का गठन किया है। साथ ही गोवा के डीजीपी से मामले को लेकर रिपोर्ट मांगी है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

2019 में भाजपा के टिकट पर लड़ चुकी थीं चुनाव

सोनाली ने आदमपुर सीट से भाजपा के टिकट पर 2019 में विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन वह हार गई थीं। इसके बाद सोनाली आदमपुर में सक्रिय रहीं। सोनाली को कुलदीप बिश्नोई ने हराया था।

नवीन जयहिंद की जांच की मांग

आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता नवीन जयहिंद ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री मनोहर लाल से सोनाली की मौत की जांच की मांग की है।

सीएम मनोहर लाल ने जताया शोक

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोनाली के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने लिखा कि भाजपा नेत्री सोनाली फोगाट जी के आकस्मिक निधन का बेहद दुखद समाचार प्राप्त हुआ।

मुंबईः फाइव स्टार होटल 'द ललित' को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई के फाइव स्टार होटल को बम से उड़ाने की धमकी एक अफवाह निकली। होटल द ललित को एक अंजान फोल कॉल से उड़ाने की धमकी दी गई। फोन करने वाले ने यह भी कहा कि उसने होटल के अंदर कम से कम चार बम रखे हैं। इन बमों को डिफ्यूज करने के लिए 5 करोड़ रुपये की डिमांड की गई। पैसा न देने पर होटल को बम से उड़ाने की धमकी दी। हालांकि होटल में तलाशी के दौरान कोई बम नहीं मिला। पुलिस ने पुष्टि की कि वह एक फेक कॉल थी। धमकी देने वाले कॉलर की तलाश की जा रही है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

फेक कॉलर ने मांगी 5 करोड़ की फिरौती

पुलिस ने पूरे होटल परिसर की तलाशी ली

धमकी मिलने के बाद होटल के अधिकारियों ने तुरंत सहार पुलिस स्टेशन को सूचना दी। पुलिस ने शिकायत दर्ज की और होटल के सुरक्षाकर्मियों के साथ मिलकर पूरे परिसर की तलाशी ली, लेकिन कुछ नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ आईपीसी की धारा 385,336, और 507 मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पांच दिनों में तीसरा सुरक्षा खतरा

पिछले पांच दिनों में मुंबई में सुरक्षा खतरों का यह तीसरा मामला है। हमले की धमकियों से पुलिस सख्ती से निपट रही है। इसकी शुरूआत 18 अगस्त को रायगढ़ समुद्र तट पर तीन एके 56 तोपों और लगभग 250 गोला-बारूद के जब्त करने से हुई। इसके बाद, 20 अगस्त को एक पाकिस्तानी नंबर से वॉट्सऐप मैसेज के जरिए मुंबई में 26/11 के आतंकी हमलों की तरह विस्फोट करने की धमकी दी गई थी और अब होटल ललित को बम से उड़ाने की धमकी दी गई।

महाराष्ट्र विधानसभा के सामने किसान ने किया आत्मदाह का प्रयास

15% शरीर जला

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को सुबह परिसर में अचानक तब अफरातफरी मच गई, जब उस्मानाबाद के किसान सुभाष देशमुख ने खुद को जलाने की कोशिश की। सुरक्षा में खड़े मुंबई पुलिस के जवानो ने किसान को बचाया और फौरन नजदीक के जीटी अस्पताल में भर्ती कराया। जिसके बाद ये मुद्दा आज सदन में भी उठा। जिस पर विरोधी दल ने सरकार को घेरने की कोशिश की। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अपशब्दों पर वार

सभ्य समाज में एक महिला और वह भी एक वकील का अपशब्द व अपमान के आरोप में न्यायिक हिरासत में जाना जितना दुखद है, उतना ही शर्मनाक भी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के गौतमबुद्धनगर में इसी अगस्त में दो ऐसे मामले उजागर हो चुके हैं, जो सोचने पर मजबूर कर रहे हैं। अपराध की स्थिति में कानून अपना काम करेगा, लेकिन अपशब्दों ने जो जख्म दिए हैं, उनका इलाज कैसे होगा? अपशब्द केवल दो लोगों के बीच का आदान-प्रदान नहीं होता कि उसके महत्व को घटाकर देखा जाए। बोले गए शब्दों या अपशब्दों से समाज बनता या बिगड़ता है। श्रीकांत त्यागी का मामला हो या भव्या रॉय का, अगर इन दोनों मामलों में अपशब्दों का समावेश न होता, तो शायद विवाद इतना न बढ़ता। पहला मामला बढ़कर एक बिरादरी की महापंचायत तक पहुंच गया, तो दूसरे में एक महिला को जेल जाना पड़ा। विडंबना देखिए, दोनों ही मामले कथित सोसाइटीज से जुड़े हैं। न तो ऐसी सोसाइटीज नई है और न सोयाइटीज में रहने वाले अचानक बड़े या अपशब्द वाचक हो गए हैं? समाज में हो रहे या हो चुके बदलावों को समझना होगा। एक और खास बात, भला हो स्मार्टफोन का, एक ही घटना के एकाधिक वीडियो बनने और वायरल होने लगे हैं, वरना ऐसी बदतमीजियों पर लगाम लगाना आसान नहीं है। अच्छी बात है कि बुरी घटना देखकर सोशल मीडिया खुलकर आपत्ति कर रहा है और गलतियां बेनकाब हो जा रही हैं, पुलिस को कार्रवाई के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह अच्छी बात है कि स्मार्टफोन भाषा सुधार और सद्व्यवहार बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। स्मार्टफोन की वजह से एक गरीब भी अपने सम्मान की लड़ाई लड़ सकता है। कथित बड़े लोगों से उनके अपशब्दों का हिसाब मांग सकता है। गार्ड, नौकर, हॉकर, ड्राइवर व अन्य सेवक भी सम्मान और समता की उम्मीद करते हैं और उन्हें हक है। वे पढ़े-लिखे लोगों से आदर्श व्यवहार की उम्मीद करते हैं, पर अक्सर अपमान का घूंट पीते रहते हैं। गौर करने की बात है कि नौकर-मालिक या हम नागरिकों के बीच समता का व्यवहार अगर कानून सुनिश्चित नहीं कर पाता, तो अक्सर कैमरा कारगर साबित होता है। अपशब्दों से भरे जो वीडियो वायरल हुए हैं, उनमें लोग बेशक अपने-अपने चरित्र को परख रहे होंगे। क्या वाकई समाज को अपशब्दों की जरूरत है? क्या अपशब्द भी समाज को बेहतर बनाते हैं? अपशब्द कोई गंभीरता से बरसाए, तो कितने लोगों में आनंद लेने की क्षमता है? बार-बार कहा गया है, जैसा व्यवहार आपको स्वयं अच्छा लगता है, वैसा ही व्यवहार आप दूसरों के साथ कीजिए। ऐसा तो हो नहीं सकता कि कोई गंदी-गंदी गालियां दे और फिर अपने लिए सम्मान भरे शब्दों की उम्मीद करे। नोएडा में जो महिला दूसरों का अपमान करती हुई अपने सम्मान के लिए लड़ रही थी, उसके खिलाफ लगी गंभीर धाराओं को देखिए। शिक्षित व वकील होने का क्या अर्थ है? कौन-सी कक्षा में अपशब्द सिखाए जाने लगे हैं? क्या समाज में बढ़ते अपशब्दों में घटिया या कथित आधुनिक वेब सीरीज का भी योगदान है? अपशब्दों का आनंद उठाने की एक कीमत होती है, जो किसी का कैमरा सूद समेत आपसे वसूल सकता है? किसी प्रांत विशेष के प्रति अपशब्द को तो कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। यह भी मंजूर नहीं कि कोई नशे में हो, तो उसे अपशब्द बोलने की छूट मिल जाए। अब जब भी कोई अपशब्दों का सहारा ले, तो उसे महसूस होना चाहिए कि कोई कैमरा दर्ज कर रहा है अपराध।

सियासी ड्रामे का ओवरडोज!

दिल्ली में बैठ कर वे जिस तरह से देश की जनता को संबोधित कर रहे हैं उससे उनकी अति महत्वाकांक्षा जाहिर होती है। असल में ऐसा लग रहा है कि नाटक करते करते आम आदमी पार्टी के नेता उसे हकीकत समझने लगे हैं और उसी में जीने लगे हैं

आम आदमी पार्टी का बनना और एक राजनीतिक ताकत के रूप में स्थापित होना एक बेहद नाटकीय घटनाक्रम रहा है। भ्रष्टाचार के खिलाफ अन्ना हजारे के आंदोलन से निकली यह पार्टी एक धारणा का प्रतिनिधित्व करती है। वह धारणा मीडिया और प्रचार के जरिए लोगों के दिमाग में बैठाई गई है। अन्ना हजारे का आंदोलन भी प्रचार के जरिए किया गया एक इवेंट था, जिससे देश भर के लोगों में यह धारणा बनाई गई की तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार भ्रष्ट है और उसे बदल देना है। राष्ट्रीय स्तर पर इसका फायदा भाजपा व नरेंद्र मोदी को मिला और दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने इसका फायदा उठाया। यह संयोग है कि उसी समय से नरेंद्र मोदी और अरविंद केजरीवाल दोनों अपनी नाटकीयता से और प्रचार तंत्र के जरिए धारणा बनाने-बिगाड़ने की राजनीति में ही लगे रहे।

अब इस नाटकीयता या सियासी ड्रामे का ओवरडोज हो रहा है। हर बात को लेकर ऐसा ड्रामा रचा जा रहा है, इस तरह की बयानबाजी हो रही है और उसका इतना प्रचार हो रहा है कि वास्तविक मैसेज कहीं विलीन हो जा रहा है। सरकारी साधनों के दम पर आम आदमी पार्टी ने प्रचार का ऐसा तंत्र विकसित किया है कि उसे अपनी हैसियत से कई गुना ज्यादा मीडिया कवरेज मिलती है और ज्यादातर मामलों में सकारात्मक मीडिया कवरेज मिलती है, जिसके दम पर वह वास्तविक घटनाक्रम को दरकिनार कर अपनी पसंद का नैरेटिव स्थापित करने में कामयाब हो जाती है। राजनीति में नाटकीयता और नेता में अभिनय क्षमता की जरूरत होती है। लेकिन उसकी सीमा होती है। कोई नेता सारे समय अभिनय करता नहीं रह सकता है। फिल्म अभिनेता हर समय अपने कैरेक्टर में रहते हैं। वे वास्तविक जीवन में भी अभिनय ही कर रहे होते हैं। ज्यादातर समय लिखित संवाद बोलते हैं। ड्रामे का कुछ वैसा ही ओवरडोज आम आदमी पार्टी की राजनीति का हो रहा है। उसके नेता सारे समय लिखित पटकथा के मुताबिक काम कर रहे होते हैं और उसी के अनुरूप संवाद बोल रहे होते हैं। हर राजनीतिक घटना को इवेंट में तब्दील करते हैं और उसका फायदा लेने वाले नैरेटिव गढ़ कर मीडिया के जरिए उसका प्रचार कराते हैं। प्रचार का बजट बेहिसाब बढ़ा कर पार्टी की दिल्ली सरकार ने मीडिया के एक बड़े हिस्से को वश में किया है, जो उसकी नाटकीयता का प्रचार करता है। हर नेता में एक अभिनेता होता है और हर राजनीति में कुछ नाटकीयता होती है लेकिन उसकी सीमा है। आप की राजनीति उस सीमा का अतिक्रमण करके काफी आगे निकल गई है। अभी दिल्ली की नई शराब नीति को लेकर मनीष सिसोदिया के यहां सीबीआई के छापे का मामला देखें तो आम आदमी पार्टी का हर नेता अलग अलग नाटक में लगा है। एक प्रहसन में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को पीड़ित बता कर शहीद का दर्जा दिया जा रहा है तो एक प्रहसन में सिसोदिया को महाराणा प्रताप का वंशज बता कर नायक बनाया जा रहा है। पूरे मामले में वस्तुनिष्ठ तरीके से कोई बात नहीं कर रहा है। आम आदमी पार्टी ने या मनीष सिसोदिया ने एक बार यह नहीं कहा है कि नई शराब नीति एक नीतिगत फैसला था, पूरी कैबिनेट ने फैसला किया था और हम उस फैसले पर कायम हैं। यह भी नहीं कहा जा रहा है कि उस नीतिगत फैसले में क्या कमी थी, जिसकी वजह से उसे वापस लिया गया। यह भी नहीं कहा जा रहा है कि किसी सरकार के नीतिगत फैसले के ऊपर कोई मुकदमा कैसा हो सकता है, अगर उस फैसले से किसी व्यक्ति ने या पार्टी ने निजी लाभ अर्जित नहीं किया है? अपनी नीति का बचाव करने या केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई का तर्कपूर्ण तरीके से जवाब देने की बजाय भावनात्मक बातें की जा रही हैं, शौर्यगाथा सुनाई जा रही है और ड्रामे किए जा रहे हैं।

किसी व्यक्ति ने सोशल मीडिया में ट्विट किया कि सिसोदिया महाराणा प्रताप के वंशज हैं तो उस ट्विट के अरविंद केजरीवाल ने रिट्विट किया और इस पर मुहर लगाई। सवाल है कि अगर वे महाराणा प्रताप के वंशज नहीं होते तो क्या उनके ऊपर कार्रवाई जायज हो जाती या तब पार्टी का जवाब देने का अंदाज अलग होता? जब सत्येंद्र जैन गिरफ्तार हुए तब केजरीवाल ने क्यों नहीं कहा था कि वे भगवान महावीर के वंशज हैं? यह कैसी जातीय मानसिकता है, जिसमें बचाव में अपनी जाति के गौरव का गान हो? जिस दिन से छापा पड़ा है उस दिन से अलग अलग नाटक चल रहे हैं। पहले दिन यह प्रहसन चला कि सिसोदिया दुनिया के नंबर वन शिक्षा मंत्री हैं। हो सकता है कि वे ब्रह्मांड के नंबर वन शिक्षा मंत्री हों लेकिन उसका शराब नीति से क्या लेना-देना है! पार्टी शराब नीति पर जवाब क्यों नहीं दे रही है? इसके अगले दिन लुकआउट सरकुलर की खबर आई तो उस पर नाटक हुआ। सीबीआई ने सिसोदिया के खिलाफ सरकुलर नहीं जारी किया था, लेकिन सिर्फ मीडिया के सहारे राजनीति करने वाली पार्टी के नेताओं ने इस पर प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। सिसोदिया ने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देते हुए कहा कि 'यह क्या नाटक है, मैं दिल्ली में घूम रहा हूं और आपको मिल नहीं रहा हूं'! सोचें, क्या दिल्ली के उप मुख्यमंत्री को लुकआउट सरकुलर का मतलब नहीं पता है? क्या वे भगोड़ा घोषित किए जाने या वारंट जारी होने और लुकआउट नोटिस में फर्क नहीं समझते? लुकआउट नोटिस का सरल मतलब यह होता है कि व्यक्ति देश से बाहर नहीं जा सकता है। सोचें, सिसोदिया के खिलाफ नोटिस जारी भी नहीं हुआ लेकिन पार्टी ने पूरी कथा कह डाली।

इसके बाद खुद को विक्टिम बताते हुए सिसोदिया ने कहा कि 'हम काम करना तभी बंद करेंगे, जब हमें जान से मार दिया जाएगा'। इसके अगले दिन यानी तीसरे दिन यह नैरेटिव बनाया गया कि भाजपा ने सिसोदिया को कहा था कि वे आप तोड़ कर भाजपा के साथ चले जाएं तो सारे केस खत्म कर देंगे। यहीं बात कहते हुए शिव सेना के नेता संजय राउत जेल गए। उन्होंने भी कहा था कि भाजपा की ओर से कहा जा रहा है कि वे शिव सेना तोड़ दें तो सारे मुकदमे खत्म कर दिए जाएंगे। चाहे संजय राउत हों या सिसोदिया हों उनके इस तरह के बयानों से विपक्ष को फायदा हो सकता है। यह नैरेटिव बन सकता है कि भाजपा विपक्षी पार्टियों को तोड़ने के लिए केस करा रही है, एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। लेकिन अगर सिसोदिया यह बताते कि किसने उनको मैसेज दिया, कब दिया और कैसे दिया तो ज्यादा विश्वसनीयता बनती। अभी यह सिर्फ प्रचार पाने का तरीका लग रहा है। इससे आरोप की विश्वसनीयता नहीं बनती, बल्कि आरोप हास्यास्पद हो जाते हैं। पिछले कुछ दिनों से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अद्भुत नाटकीयता दिखा रहे हैं। छत्रसाल स्टेडियम में 15 अगस्त के भाषण और उसके दो दिन बाद तालकटोरा स्टेडियम में 'मेक इंडिया नंबर वन' मिशन लांच करते समय दिया गया भाषण इसकी मिसाल है। केजरीवाल ने तरह तरह की भाव भंगिमा बनाते हुए कहा कि भगवान ने भारत के लोगों को बेस्ट बनाया, भगवान ने भारत के लोगों को सबसे इंटेलीजेंट बनाया, भगवान ने भारत को बनाते समय इसे सब कुछ दिया, पहाड़ दिए, नदियां दीं, जंगल और खनिज दिए। दिल्ली में बैठ कर वे जिस तरह से देश की जनता को संबोधित कर रहे हैं उससे उनकी अति महत्वाकांक्षा जाहिर होती है। असल में ऐसा लग रहा है कि नाटक करते करते आम आदमी पार्टी के नेता उसे हकीकत समझने लगे हैं और उसी में जीने लगे हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिटी हलचल

मुंबई, बुधवार
24 अगस्त 2022

उत्तर प्रदेश और राजस्थान राज्य में अध्यापक द्वारा छात्र के साथ की गई मारपीट में हुई मौत को लेकर दलित समाज के बौद्ध उपासक उपासिका समन्वय संस्था द्वारा किया गया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। उत्तर प्रदेश में और राजस्थान राज्य में अध्यापक द्वारा छात्र के साथ मारपीट में हुई मौत के मामले को लेकर पूरे देश मैं इस घटना का विरोध किया जा रही है और कड़ी निंदा की जा रही है आपको बताते चलें दरअसल मामला यह है उत्तर प्रदेश के श्रीवस्ती जिले में तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले छात्र बृजेश विश्वकर्मा को अध्यापक अनुपम पाठक द्वारा इसलिए पीटा गया क्योंकि छात्र स्कूल की फीस के मात्र ढाई सौ रुपए भरने में देरी की गई थी इसी कारण को लेकर अध्यापक अनुपम पाठक द्वारा छात्र की निर्मम पिटाई की गई जिसके कारण अस्पताल में उपचार के दौरान बच्चे की मौत हो गई वहीं दूसरी घटना राजस्थान के जालोर जिले से सामने आ रही है तीसरी कक्षा में पढ़ने वाला 9 वर्षीय दलित छात्र इंद्र मेघावाल को अध्यापक द्वारा सिर्फ इसलिए पीट-पीटकर मारा गया की बच्ची ने पानी का मटका छू लिया था बस यही कारण से अध्यापक द्वारा बच्चे की

निर्ममता से पिटाई की गई जिसकी कारण अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई यह दोनों घटना से दलित समाज में पूरे देश में आक्रोश फैल गया इसी के चलते गत 22 अगस्त सोमवार शाम 6 बजे मुंब्रा पुलिस स्टेशन के निकट डॉ बाबासाहेब अंबेडकर चौक पर दलित समाज के युवा प्रवीण पवार के नेतृत्व मे बौद्ध उपासक उपासिका समन्वय संस्था द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया इस अवसर पर प्रवीण पवार ने बताया जिस तरह से दो घटनाएं उत्तर प्रदेश से और राजस्थान राज्य से दलित बच्चे की अध्यापक द्वारा मारपीट करने से और अस्पताल में हुई मौत के मामले से सामने आई है उससे यह समझा जा सकता है देश में फिर से जातिवाद का मामला तूल पकड़ता जा रहा है इसको नियंत्रित करना अति आवश्यक हो गया है हमारा देश धर्म निरपेक्ष देश है कुछ छोटी मानसिकता रखने वाले लोगों की वजह से देश का माहौल का खराब होने का अंदेशा है उसे रोकना अत्यंत आवश्यक है जिस तरह से 3 वर्ष के बच्चे की ढाई रुपए फीस में हुई देरी के कारण और दलित बच्चे द्वारा पानी का मटका छू लेने से अध्यापक द्वारा इतनी मारपीट की गई कि उस मासूम बच्चे की अस्पताल में मौत हो गई तो जिस तरह से दो घटनाएं सामने आ रही है उसे दलित समाज में आक्रोश पैदा हो गया है और ऐसी घटनाओं को कभी दलित समाज बर्दाश्त नहीं करेगा उन्होंने कहा हम लोग डॉ बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान पे चलने वाले लोग ह इसीलिए हम लोगों ने मुंब्रा पुलिस स्टेशन को मेमोरेंडम देखकर यह मांग की है वह दोनों अध्यापक आरोपियों पर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और आरोपी को सलाखों के पीछे भेजा जाए दलित समाज के तमाम लोगों ने बिलकिस बानो केस में 15 अगस्त स्वतंत्र दिवस आजादी महोत्सव के अवसर पर रिहा किए गए 11 बलात्कारियों को फांसी की सजा देने की मांग की है इस अवसर पर दलित समाज के युवा प्रवीण पवार बाबू मखरे और तमाम कार्यकर्ता और पदाधिकारी और समस्त संघटना के लोग इस विरोध प्रदर्शन में उपस्थित थे।

खैरख्वाही फाउंडेशन द्वारा मुंब्रा शहर में चलाई जा रही है दो चैरिटेबल क्लिनिक

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। खैरख्वाही फाउंडेशन द्वारा मुंब्रा शहर में दो चैरिटेबल क्लिनिक चलाई जा रही है पहली चैरिटेबल क्लिनिक 20 फरवरी 2022 को श्रीलंका परिसर की मॉस्को स्कूल के ऑपोजिट शुरू की गई दूसरी चैरिटेबल क्लिनिक अमृत नगर दरगाह मस्जिद के ऑपोजिट शुरू की गई है चैरिटेबल क्लिनिक और खैरख्वाही फाउंडेशन के बारे में जानकारी देते हैं मुजाहिद अत्तारी ने बताय दोनों चैरिटेबल क्लिनिक के माध्यम से अब तक 14423 मरीजों ने इसका लाभ उठाया है हमारे चैरिटेबल क्लिनिक में दवाइयां तीन वक्त की मात्र 30 रुपए में दी जाती है और अगर आपको ब्लड टेस्ट भी करवाना हो तो हमारे माध्यम से 70% डिस्काउंट में ब्लड

टेस्ट कराया जाता है उन्होंने बताया कि लोगों के सहयोग से खैरख्वाही चैरिटेबल क्लिनिक की दो शाखाएं मुंब्रा शहर में चल रही है उन्होंने लोगों से भी अपील की है जो लोग अपने मरूमैन की बरसी कराना चाहते हैं या शादी की सालगिरह के मौके पर या कोई भी खुशी के मौके पर आप लोगों की मदद करना चाहते हैं तो हमारी संस्था से जुड़कर गरीब तबके के लोगों के लिए दवाइयां मुहैया करा सकते हैं आप चाहे 1000, 500, 300,100,10, मरीजों के लिए दवाएं मुफ्त में दे सकते हैं और सवाब हासिल कर सकते हैं आपके सहयोग से ही यह चैरिटेबल क्लीनिक चल रहा है और इंशाल्लाह लोगों का साथ रहा तो बहुत जल्दी हम मुंब्रा शहर में एक और खैरख्वाही चैरिटेबल क्लिनिक की शुरूआत करेंगे जो लोग इस नेक काम में हिस्सा लेना चाहते हैं तो वह खैरख्वाही फाउंडेशन का एक्सिस बैंक अकाउंट नंबर 920020032589619, IFSC code - UTIB0002924,MICR code -40021115 पर भेज सकते हैं और सवाबे दारेन हासिल कर सकते हैं।

रेड सैंड बोआ सांप की तस्करी के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण शहर में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर आरोप है कि ये 70 लाख रुपये की रेड सैंड बोआ (दोमुंहा सांप) बेच रहे थे। खड़कपाड़ा थाने के वरिष्ठ निरीक्षक सरजेराव पाटिल ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कल्याण पुलिस ने जाल बिछाकर घंडारी पुल के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी टिटवाला, वाडा, पालघर, मनोर और भिवंडी इलाकों के रहने वाले हैं, उन्होंने कहा कि पुलिस एक अन्य आरोपी की तलाश में है जो भागने में

सफल रहा। अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में भारतीय दंड संहिता और वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। वन विभाग के अधिकारियों की इन दोमुंहा सांपों को लेकर चिंता बढ़ रही है। दोमुंहा सांप वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत शेड्यूल 5 में आता है। इसका मतलब है कि अगर किसी को दोमुंहा सांप मिलता है तो उसकी जानकारी वह वन विभाग को देगा। उसका डॉक्युमेंटेशन होता है अगर कोई ऐसा नहीं करता तो यह कानूनन अपराध है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

टिकटॉक स्टार सोनाली फोगाट का निधन

सोनाली की बहन ने बताया, परसों ही बात हुई थी। वह बिल्कुल ठीक थी और अपने फार्म हाउस पर थी, लेकिन मां से बात करते हुए उसने कहा कि उसे अपना शरीर ठीक नहीं लगता। जैसे किसी ने कुछ कराया हो। कुछ गड़बड़ लग रही है। कल शाम को भी मां से सोनाली की इसी टॉपिक पर बात हुई। तब भी उसने कहा कि कोई साजिश रची जा रही है। सुबह मैसेज आया कि दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई। सोनाली की जेठानी मनोज फोगाट ने बताया कि परसों वह घर आई थी। यहीं से वह किसी काम के सिलसिले में मुंबई और गोवा के लिए निकली थी। सोनाली की एक बेटी है, जो निजी स्कूल में हॉस्टल में रहती है। सोनाली की मौत की जानकारी मिलते ही भाई वतन ढाका और परिवार के अन्य सदस्य गोवा के लिए रवाना हो गए। आज हरियाणा के हिसार जिले के सोनाली फोगाट का अंतिम संस्कार किया जाएगा। सोनाली 22 से 25 अगस्त तक गोवा दूर पर थीं। सोनाली की मौत की पुष्टि उसके भाई वतन ढाका ने ही की थी। सोनाली की एक बेटी है और उसके पति संजय फोगाट की 2016 में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई थी। वहीं टिक टॉक स्टार, बिग बॉस फेम सोनाली की इस मौत से उनके फैन्स स्तब्ध हैं। सोनाली फोगाट ने करीब 13 घंटे पहले 22 अगस्त की रात को अपने ट्विटर अकाउंट पर लास्ट डीपी लगाई थी। सोनाली ने फेसबुक अकाउंट पर भी अपनी फोटो अपलोड की थी। जिस पर सोनाली ने लिखा था कि दबंग लेडी, रियल बॉस लेडी, ऑल रेडी स्माइल। सोनाली ने अपने करियर की शुरूआत साल 2006 में एंकरिंग से की थी। वह हिसार दूरदर्शन के लिए एंकरिंग करती थीं। दो साल बाद 2008 में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले ली। सोनाली पंजाबी और हरियाणवी फिल्में, म्यूजिक वीडियोज कर चुकी थीं। उन्होंने साल 2019 में फिल्म छोरियां छोरों से कम नहीं होती में काम किया था। यह उनकी पहली फिल्म थी।

मुंबई में फाइव स्टार होटल 'द ललित' को बम से उड़ाने की धमकी

अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार शाम 6 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनैशनल एयरपोर्ट के पास स्थित होटल 'द ललित' को एक गुमनाम फोन आया और बम से उड़ाने की धमकी दी गई। फोन करने वाले ने कहा कि उसने होटल के अंदर कम से कम चार बम रखे हैं। इन बमों को डिफ्यूज करने के लिए 5 करोड़ रुपये की डिमांड की गई। पैसा न देने पर होटल को बम से उड़ाने की धमकी भी दी।

महाराष्ट्र विधानसभा के सामने किसान ने किया आत्मदाह का प्रयास

अजित पवार ने सदन में कहा, जब मुख्यमंत्री सदन में बात कर रहे थे तब एक किसान ने विधानभवन के बाहर खुद को जलाने की कोशिश की। इस पर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नारवेकर ने उनको टोका और कहा की सदन के पास इसकी जानकारी है। गृह मंत्री और डिप्टी सीएम फडनवीस ने सदन में कहा सुभाष देशमुख और उनके भाई का जमीन को लेकर पुराना विवाद है। वो परेशान थे। इससे पहले उनके पिताजी ने भी आत्महत्या करने की कोशिश की थी। आज के हादसे मे उनका शरीर 15% जल गया हैं। किसान सुभाष का इलाज सरकारी जीटी अस्पताल में चल रहा हैं, लेकिन उन्होंने ऐसा प्रयास क्यों किया इसका कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ हैं। सरकार पे निशान साधते हुए कांग्रेस नेता अतुल लोंढे ने कहा, भाजपा की सरकार आते ही किसान मंत्रालय और विधान भवन के समाने ऐसी कोशिशें क्यों करते हैं? इसी भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान धरमा पाटिल जैसे किसान ने मंत्रालय में आत्महत्या की थी। ये सरकार 400-500 रुपए प्रति हेक्टर की मदद किसानो को दे रही हैं जिसके चलते किसान बेबसी में ऐसे कदम उठा रहे हैं। ये सरकार किसानो की और गरीबों की नहीं हैं इसीलिए हम इनका विरोध करते हैं।

समाजसेवक डॉ ऑनर गौरव शाह द्वारा मलाड में दहीहंडी उत्सव 2022 जोरशोर से मनाया गया

मुंबई। लेट अनिल शाह फाउंडेशन और भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ युवा मोर्चा के अध्यक्ष डॉ ऑनर गौरव शाह द्वारा मलाड में दहीहंडी उत्सव मनाया गया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित टीवी और बॉलिवुड के सितारों उपस्थित हुए। भाजपा के मुंबई सचिव योगेश वर्मा, भाजपा व्यापारी जिल्हा अध्यक्ष संकल्प शर्मा, नरेंद्र राठोड़, सुनील कोली, सुरेश रावल, वीरेंद्र पाल, विपुल भोजविया, ऋषभ सोलंकी, पूर्वेश मेहता, मुन्ना गुप्ता, ध्रुव सेठ और भाजपा कार्यकर्ता। पुलिस की आवाज महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष रश्मि मेहता और उनकी महिला टीम उपस्थित हुए। टेलीविजन के सितारे विकाश वर्मा, अब्बास गजनवी, नेहा बंसल, शरद सोनू, उपस्थित हुए। साथ में फाऊंडेशन के सचिव अल्पेश निवाते, निकी चोपड़ा, राखी शाह, कल्याणजी जाना, अब्बास, पूर्वेश, सकेत कांबले, महेंद्र चौहान और फाउंडेशन के सभी पदाधिकारी का गौरव शाह ने दिल से शुक्रिया अदा किया। साथी में कार्यक्रम में आए हुए सभी मीडियाकर्मी, पुलिस प्रशासन और वहां के रहिवासी लोगों का भी आभार माना।

◆ भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कार्यालय मंत्री मुकुंद कुलकर्णी व उत्तर भारतीय मोर्चा-भाजपा-महाराष्ट्र के उपाध्यक्ष अर्जुन गुप्ता से प्रसन्न मुद्रा में मिलते हुए।

बारहट स्मारक के कथित तौर पर शिलालेख तोड़ने के मामले में नया मोड़

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा कस्बे में बारहठ स्मारक के कथित तौर पर शिलालेख तोड़ने के मामले को लेकर आज एक नया मोड़ आ गया जब पालिका अध्यक्ष रघुनंदन सोनी ने दोपहर 2:30 बजे सभी पत्रकारों व आम नागरिकों वह कांग्रेस के पदाधिकारियों के सामने नवीनीकरण के तहत स्मारक पर लगाए गए ग्रेनाइट को हटवा कर अंदर लगे शिलालेख बताएं याद रहे कि विगत 5 दिनों से कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पालिका अध्यक्ष और नगरपालिका पर आरोप लगा रहे थे कि स्मारक पर लगे पूर्व मुख्यमंत्री बरकतुल्लाह खान व हरदेव जोशी के शिलालेख को नवीनीकरण के नाम पर पालिका कर्मचारियों ने तोड़ दिए पालिका अध्यक्ष द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि उनके खिलाफ जो भी आरोप लगाए गए हैं वह पूरी तरह से गलत है सभी शिलालेख अस्पष्ट होने के कारण उनका नवीनीकरण करके स्मारक के जीर्णोद्धार के साथ ही वापस लगा दिया जाएगा पालिका अध्यक्ष ने कहा कि मंडल अध्यक्ष कॉन्ग्रेस बालमुकुंद तोषनीवाल के साथ कांग्रेस पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को जो शिकायत दर्ज कराई गई वह पूरी तरह से गलत है प्रमाण आपके सामने है इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैं यहां किसी को नीचा दिखाने के लिए यह किसी द्वेष भाव से नहीं आया मैं सिर्फ जनता के सामने सच्चाई लाना चाहता हूं मेरे ऊपर ओर पालिका पर लगाए आरोप बिल्कुल निराधार है और सच्चाई आपके सामने है। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

◆ खिदमत ग्रुप भुसावल की तरफ से भुसावल के मेन कब्रिस्तान में जगह-जगह पर स्ट्रीट लाइट लगाई गई। कब्रिस्तान में लाईट लगाते समय इदरीस भाई मेमन, सलमान पटेल और काशीफ शेख उपस्थित थे। खिदमत ग्रुप से जुड़ने के लिए और इस नेकी और पुण्य के काम में अपना सहयोग देने के लिए खिदमत ग्रुप से संपर्क करें : 8007690989 सलमान पटेल, 8669019296 इदरीस मेमन।

रोज मर रही है तड़प तड़प कर गाये, पूरे राजस्थान में फैली लम्पी बीमारी, शहर व ग्रामीण इलाकों में उपचार की जानकारी नही, नाही किसी तरह का ठोस इलाज है, सबके सब दावे फेलः कालू सरगारा

लेखक कालू सरगारा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर में कालू सरगारा जोधपुर से आज मुझे बहुत दुख हो रहा हैं हर जगह गोवंश बीमार ओर हर तरफ मरी हुई गाये। लोग घरों से दुधारू गौवंश ओर बछड़ों को छोड़ रहे है बेसहारा, सरकार व सरकारी मशीनरी आकड़ो में खनापूर्ति में लगा है प्रशासन, ओर गाय व बछड़े की तड़प तड़प कर पशुओं की हो रही दर्दनाक मौत, गली मोहल्लों में घूम रहे बीमारी से पीड़ित पशु सरकार लुट रही है शाहबाशी मगर हकीकत कुछ ओर ही है क्योंकि न तो लोगों को जागरूक किया जा रहा है रब न ही कोई कर्मचारी या सरकारी समाजसेवी नुमायदा यहां पहुंचे हैं न ही पशुपालकों को कोई दवाईयों के बारे में जानकारी है इसलिए वँहा शहर व जिले के गांवों में पशु मांत के मुंह में समाते जा रहे हैं इसलिए प्रशासन को इस पशुपालकों की पीड़ा को समझना चाहिए और आगे आकर गौवंश का इलाज करना चाहिए तभी तो गो वंश बच सकतीं हैं वर्ना लोग तो दुधारू पशुओं को भी छोड़ रहे हैं क्या करे क्योंकि गायें बिमारी से ग्रस्त हैं तो उसका दुध भी उपयोग में नहीं लिया जा सकता है। और पशुपालकों के पास इसके अलावा कोई चारा भी तो नहीं क्योंकि उसको घर से नही निकालेंगे तो कोई बच्ची खुची गाय भी इसकी चपेट में आ सकती है इजलिये गो पालक अपने घर से निकल कर पशुओं को छोड़ रहे है। उधर बीकानेर के वेटनेरी में भी सरकार की ओर से भी कोई इलाज नही है वँहा एक दो इंजेक्शन लिखते है वो भी बाहर से लानी पड़ती है। धन्य है सरकार सरकारी नुमाईदे। ओर तो ओर गाये मरने के बाद में खुले में पड़ी महामारी की दावत दी जा रही है। इजलिये इस महामारी पर काबू पाना ही नही नामुमकिन है।

शाहपुरा में भारत विकास परिषद की प्रांतीय महिला कार्यशाला का आयोजन किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा कस्बे में प्रांतीय महिला कार्यशाला का आयोजन भारत विकास परिषद की शाहपुरा शाखा द्वारा आयोजित किया गया कार्यशाला में रीजनल प्रांतीय लेवल के पदाधिकारियों ने भाग लिया श्रीमती संतोष जी गोधा राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन चेयर पर्सन महिला एवं बाल विकास विभाग श्री डीडी शर्मा जी क्षेत्रीय अध्यक्ष उत्तर पश्चिम प्रांत श्री त्रिभुवन जी शर्मा क्षेत्रीय महासचिव उत्तर पश्चिम प्रांत श्रीमती प्रमिला जी गहलोत क्षेत्रीय मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती गुणमाला जी अग्रवाल क्षेत्रीय मंत्री महिला एवं बाल विकास श्री पारसमल जी बोहरा प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती कमला जी गोखरू प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री गोविंद जी अग्रवाल प्रांतीय महासचिव श्री पवन कुमार जी बागड़ प्रांतीय वित्त सचिव श्री विजय जी शर्मा प्रांतीय संगठन मंत्री श्रीमती सुमन जी बड़ोला प्रांतीय महिला प्रमुख श्रीमती सुनीता जी नारायणीवाल प्रांतीय महिला सह प्रमुख श्रीमती रेखा जी जैन श्रीमती प्रतिभा जी कोठारी श्रीमती भारती जी मोदानी श्रीमती कमलेश जी बन्द ने पधार कर और अपने प्रेरणादायक उद्बोधन के द्वारा महिला कार्यशाला को एक नया आयाम दिया शाहपुरा शाखा की महिलाओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम वीर रस में महिला कार्यशाला का उद्घाटन किया महिलाओं का नया दौर पर नाटक प्रस्तुत किया तथा आजादी के अमृत महोत्सव पर नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया महिला प्रमुख इंदिरा धूपिया ने कन्या भ्रूण हत्या पर अपनी स्वरचित कविता कन्या भ्रूण हत्या प्रस्तुत कर सब के रोंगटे खड़े कर दिए सदस्य सरिता बघेरवाल ने हां मैं नारी हूं मुझे इस पर गर्व है बोलकर सभी नारियों में जोश भर दिया कार्यक्रम प्रभारी मधु जैन के सानिध्य में नयन बाला सोमानी सुनीता समदानी माया शर्मा पूजा पारीक चंदा सुवालका मृदुला गोठवाल अनीता टाक प्रवीना गुजराती सीमा उपाध्याय सीमा साल्वी ने भाग लिया रचनात्मक कार्यक्रम ने सभी का दिल जीत लिया कार्यक्रम का सफल और आकर्षक संचालन प्रांतीय महिला संचालक रेखा जैन और स्थानीय महिला सदस्य सुनीता समदानी ने किया भारत विकास परिषद शाहपुरा के अध्यक्ष जयदेव जी जोशी ने सभी का स्वागत किया संरक्षक यशपाल जी पाटनी सत्यनारायण सेन परमेश्वर सुथार दिलीप कुमार जैन ने सभी को उपरणा ओढ़ाकर तिलक और नारियल लगाकर सभी का स्वागत किया शाहपुरा शाखा द्वारा सभी अतिथियों के अल्पाहार और भोजन की व्यवस्था की गई गणेश ऑटोमोबाइल शाहपुरा द्वारा आगंतुक सभी अतिथियों को पोटली पर्स वितरित किए गए महिला कार्यशाला में 110 महिलाएं बाहर से पधारी 80महिलाएं स्थानीय थी। दोपहर 2:00 बजे डॉक्टर कमला गोखरू द्वारा सभी का आभार व्यक्त करके कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

डॉ. आशा गोयल हत्याकांड के विशेष लोक अभियोजक बने उज्ज्वल निकम

मुंबई। देश के श्रेष्ट आपराधिक वकीलों में गिने जाने वाले उज्ज्वल निकम को कनाडा के नागरिक डॉ आशा गोयल की हत्या के मामले में विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त किया गया है। मुंबई में करीब दो दशक पहले तब उनकी हत्या हो गई थी जब वो पारिवारिक संपत्ति विवाद को सुलझाने की कोशिश कर रही थीं। उज्ज्वल निकम की नियुक्ति केस के पिछले वकील अवधूत चिमालकर के इस्तीफे के बाद हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध आपराधिक कानून विशेषज्ञ उज्ज्वल निकम ने देश में लगभग 40 अपराधियों को मृत्यु दंड और 300 से अधिक अपराधियों को आजीवन कारावास दिलवाया है। 24 अगस्त को मुंबई सत्र न्यायालय के न्यायाधीश के समक्ष सुनवाई के लिए जाने वाले अभियोजन पक्ष के मामले का वो नेतृत्व करेंगे। डॉ. आशा गोयल की हत्या के मामले में विशेष लोक अभियोजक के रूप में उनकी नियुक्ति की घोषणा 10 अगस्त 2022 को महाराष्ट्र के लॉ एंड जस्टिस डिपार्टमेंट के द्वारा की गई थी। इस मामले की सुनवाई लंबे समय से प्रतीक्षित थी, और इसमें पहले भी कई बार देरी हो चुकी है। इससे पहले उज्ज्वल निकम ने देश के हाई-प्रोफाइल हत्या, सामूहिक बलात्कार और आतंकवाद संबंधी मामलों में अभियोजन पक्ष का सफल नेतृत्व किया है। इन मामलों में 2008 का मुंबई हमला भी शामिल है।

कनाडा के ऑरेंजविले ओन्ट्स की रहने वाली 62 वर्षीय डॉ. गोयल की हत्या 2003 के अगस्त में मुंबई के मालाबार हिल्स में किराए के हत्यारों द्वारा कराई गई थी। डॉ. गोयल की लाश पड़ोस में उसके रिश्तेदार के घर में मिली थी किराए के हत्यारों द्वारा मार डाला गया था। अपने कैरियर के 40 साल के दौरान डॉ. गोयल सस्केचवान में काम करने के साथ कनाडा में 10, 000 से अधिक बच्चों की डिलीवरी करवाई। डॉ. गोयल हत्या मामले के जांचकर्ता बताते हैं कि डॉ. गोयल अपने भाई सुरेश अग्रवाल से मिलने मुंबई आई थी। उसी दौरान उनकी हत्या कर दी गई थी। बताया जाता है कि सुरेश अग्रवाल ने 12 मिलियन डॉलर की विवादित संपत्ति को लेकर टोरंटो निवासी अपने भाई सुभाष अग्रवाल के साथ मिलकर अपनी बहन की हत्या करने की साजिश रची। सुरेश की मृत्यु हो गई है। लेकिन कनाडा का रहने वाला सुभाष अग्रवाल इंटरपोल रेड नोटिस बावजूद टोरंटो में रह रहा है। वह अभी भी भारत में वांछित आरोपी है। उसने अपनी बहन की हत्या में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। मुंबई पुलिस ने चार अन्य को भी गिरफ्तार किया और उन पर हत्या का आरोप लगाया। इनमें से तीन प्रदीप परब, पवनकुमार गोयनका और मनोहर शिंदे अग्रवाल बंधुओं के कर्मचारी थे, और चौथा नरेंद्र गोयल, सुरेश अग्रवाल का दामाद है। शिंदे की भी मौत हो चुकी है। प्रदीप परब पुलिस को अपना इकबालिया बयान देकर राज्य का गवाह बन गया है। जबकि पवनकुमार गोयनका और नरेंद्र गोयल इस सप्ताह अदालत में पेश हुए हैं। प्रदीप परब ने अपने इकबालिया बयान में इस मामले में विभिन्न अभियुक्तों की भूमिकाओं का विस्तार से वर्णन किया है और कहा है कि डॉ. गोयल को मारने में मदद करने के लिए उन्हें लगभग 150 डालर का भुगतान किया जाना था। विशेष लोक अभियोजक के रूप में उज्जवल निकम की नियुक्ति पर डॉ आशा गोयल और डॉ सदन गोयल के बेटे और बेटी संजय गोयल और रश्मि गोयल ने न्याय पाने के लिए हमारी 19 साल की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम है। दोनो ने कहा कि न्याय की इस लड़ाई में भारत हमारी मदद कर रहा है जबकि कनाडा मदद करने से परहेज कर रहा है। संजय गोयल और रश्मि गोयल ने कहा कि हमने मेक्सिको, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप में मारे गए कनाडाई लोगों से जुड़े कई अन्य मामलों में तेजी से और निर्णायक कार्रवाई देखी है। लेकिन जब भारत में मारे जाने वाले भारतीय-कनाडाई लोगों की बात आती है, तो एक अलग मानक सामने आता है। सुभाष अग्रवाल हमारी मां की हत्या के मामले में भारत में वांछित है। उसके बाद भी 19 वर्षों से टोरंटो में स्वतंत्र रह रहा है, और कनाडा ने आरोपों का जवाब देने के लिए कुछ भी नहीं किया है। न्याय में देरी न्याय से वंचित है। यह कनाडा और भारत दोनों में न्याय का उपहास है कि इस मामले की सुनवाई में लगभग 19 साल लग गए। अनिवासी भारतीयों की तथाकथित अनुबंध हत्याओं में वांछित व्यक्तियों को विदेशों से वापस लाना समय पर न्याय दिलाने के लिए जरूरी है। परिवार को भारत में न्याय मिले यह सुनिश्चित करने के लिए हम इस मामले में घटनाक्रम पर नजर रखेंगे।

काव्य कॉर्नर फाउंडेशन द्वारा राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में कवि सम्मेलन सम्पन्न हुआ

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान के पतंजलि सभागार में सामाजिक संस्था काव्य कॉर्नर फाउंडेशन (एनजीओ) द्वारा एक सफल कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन के मुख्य आकर्षण हास्य सम्राट श्री विनोद पाल जी, अपने तेज और ओजस्वी गीतों से सभी में देशभक्ति का जोश भरने वाले श्री कमल आग्नेय जी, बहुआयामी प्रतिभा के धनी कवि, शायर एवं बॉलीवुड की फिल्मों के लिए स्क्रिप्ट लिखने वाले श्री आशीष प्रकाश जी, मधुर कंठ ही धनी एवं वरिष्ठ कवयित्री श्रीमती इंदु शर्मा, राष्ट्रीय कवयित्री व सामाजिक मुद्दों को कविता के माध्यम के प्रखारता से उठाने वाली तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की जिला संयोजिका डॉ. पूजा सिंह गंगानिया जी एवं सुप्रसिद्ध कवयित्री श्रीमती प्रीति पाठक जी रहीं। कार्यक्रम का संचालन श्री आशीष प्रकाश जी ने बहुत ही सधे हुए और मनमोहक अंदाज में किया।डाक्टरों की गरिमामय उपस्थिति में हो रहे काव्य पाठ ने मानो वातावरण को देशभक्ति से भर दिया। आयोजन की शोभा देखते ही बनती थी वहां उपस्थित सभी ने कार्यक्रम को एक नई ऊंचाइयां प्रदान की। सभी कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से एक ऐसा तिलिस्मी समा बांधा जिसको तोड़ पाना असंभव हुआ या यूं कहिए मानो सभी किसी सम्मोहन में कैद हो गए। मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार कार्यक्रम के अंत में राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. ब्रिगेडियर श्री राकेश गुप्ता जी ने उपस्थित सभी कवियों एवं संस्था की सम्पूर्ण टीम जिनमें राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजपाल यादव जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मृत्युंजय श्रीवास्तव जी, सह- संस्थापक श्री अमित चौहान जी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार सिंह जी एवं राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती शिल्पी चौहान जी को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया और काव्य कॉर्नर फाउंडेशन को संस्थान की तरफ से एक स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। साथ ही संस्था द्वारा भी जी ई एम एस के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. राकेश गुप्ता जी को एकलव्यम सम्मान से सम्मानित किया और डॉ राकेश गुप्ता जी ने संस्था के कार्यों की प्रशंसा करते हुए संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुख्यमंत्री योगी जी के राज में प्यार करेंगे खुल्लमखुल्ला?

उत्तरप्रदेश में खाकी को खुलेआम अश्लीलता करने में कोई गुरेज नहीं

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। यूपी के डीजीपी प्रदेश की पुलिस को दुरुस्त करने के लिए हर संभव प्रयास करते नजर आ रहे हैं मगर उन्नाव जिले के पुलिस के सिपाही की एक शर्मनाक करतूत सामने आई हैं। जो एक महिला के साथ में जमकर चुम्मा चाटी करते हुए अश्लीलता फैलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। हद तो तब हो जाती हैं, महाशय खाकी वर्दी धारण किए महिला के साथ अश्लील हरकतें करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ना तो इनको खाकी वर्दी का डर है और ना अपनी जिम्मेदारी का अहसास। कोई मुजरिम कैसा भी हो खाकी के हाथ से कभी छूट नहीं सकता तो भला एक नाजुक कली खाकी की बाहों से कैसे अलग हो सकती हैं। यूपी के बांगरमऊ में दिवान के पद पर तैनात दीपचंद्र गौतम का एक अश्लील वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। जो यूपी पुलिस के आलाधिकारियों के लिए तो शर्मनाक है ही साथ ही खाकी की बदनामी की लोकप्रियता में चार चांद लगाने के लिए काफी है। तो क्या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी पुलिस की गैरजिम्मेदारी पर ध्यान देंगे?

तालीम के लिए एक कदम आगे-मुस्लिम महासभा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमन्द। जामियातूल मदीना फैजान ऐ आला हजरत राजनगर पर मुस्लिम महासभा के जाफर खान फौजदार द्वारा नाजिम ऐ जामिया अरकान अत्तारी साहब से मुलाकात की जिसमें तालीम के प्रति होनहार बच्चों से मिलकर तालीम की जानकारियां दी गई जिसमें उर्दू एवम इंग्लिश,अरबी एवम गणित की तालीम जिसमे कुरआन आमीन किये 3 बच्चे,मदनी कायदे,तामीर ऐ अदब की तालीम और इसी इदारे में सभी बच्चों का खाना रहना तालीम सभी फ्री इदारे की जानिब से माकूल व्यवस्था होती है महासभा के जाफर कान फौजदार ने बताया कि राजसमन्द जिले में ऐसी नायाब व्यवस्था और कहीं नहीं है जहाँ पर राजसमन्द जिले सहित आस पड़ोस से भी तालीम हेतु यहाँ तालीम रत है इस दौरान मोहम्मद रिजवान भीलवाड़ा, मोहम्मद सोहेल उदयपुर, शहबान रंगरेज भीलवाड़ा,मोहम्मद रिहान उदयपुर, तस्लीम मंसूरी भीलवाड़ा, मोहम्मद हुसैन देवगढ़, मुशर्रफ कांकरोली, मोहम्मद हमजा राजनगर, मोहम्मद साबिर हुसैन भीलवाड़ा, आदिल मोहम्मद नाथद्वारा, मोहम्मद मोहसिन अत्तारी कपासन, मोहम्मद जुनेद पठान भीलवाड़ा,मोहम्मद सरफराज कांकरोली,मोहम्मद जुबेर रजा कॉलोनी राजनगर, गुलाम यासीन गंगापुर, मोहम्मद शोएब राजनगर, मोहम्मद फरहान कपासन, मोहम्मद इमरान कपासन, मोहम्मद नोमान रजा कॉलोनी, मोहम्मद सलमान कपासन, यासीन कोशीथल, रेहान मोहम्मद रेलमंगरा,अयांन शाह आमेट, अल्तमस भीलवाड़ा, मोहम्मद कैफ कपासन,मोहम्मद हुसैन कपासन, मोहम्मद अयान उदयपुर, मोहम्मद हैदर अली अत्तारी कपासन, मोहम्मद अंसारी भीलवाड़ा, मोहम्मद इरशाद अत्तारी भीलवाड़ा, अख्तर रजा अत्तारी भीलवाड़ा, मोहम्मद शाहिल रजा कॉलोनी, खादिम आशिफ सिलावट आदि से मिलकर तालीम की जानकारिया दी गई एवम कहा गया कि अपने बच्चों को ज्यादा से ज्यादा की तादाद में इस इदारे में दाखिला करवाओ ताकि यही बच्चे आगे चलकर अपने समाज एवम देश का नाम रोशन करेंगे।

संभल में चोरो के हौंसले बुलंद सीडीपीओ के घर लाखों की चोरी

संवाददाता/अरमान उल हक

सम्भल। सम्भल शहर में कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला देहली दरवाजा में रहने वालीं शाहना खातून असमोली ब्लॉक में विकास परियोजना अधिकारी के पद पर तैनात हैं शनिवार के लिए वह अपने परिवार के साथ अपने पुराने घर अमरोहा जिले के सैद नगली में एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गईं थीं सेदनगली से सोमवार सुबह वह अपने कार्यालय असमोली ड्यूटी करने पहुंच गईं। सोमवार की दोपहर पड़ोस के लोगों ने मेन गैट और घर का ताला टूटा हुआ देखा तो उन्होंने तत्काल इसकी सूचना सीडीपीओ शाहना खातून को मोबाइल पर दी। सूचना मिलने पर आनन फानन में वह घर पहुंची और पुलिस को सूचना दी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई और सीडी पीओ शाहना खातून से घटना के बारे में जानकारी ली। घर का ताला तोड़कर बदमाश लाखों रुपए की नकदी और जेवर समेत दस लाख रुपए का सामान चोरी कर ले गए। कोतवाली क्षेत्र के देहली दरवाजा मौहल्ला निवासी शहाना खातून बाल विकास परियोजना अधिकारी ने पुलिस को बताया बदमाश मुख्य गेट और घर के कमरों का ताला तोड़कर घर में घुस गये। घर में रखे साढ़े तीन लाख रुपए नकद,सोने की चार अंगूठी, चार कानों के कुंडल, दो सोने की चूड़ी तथा एक सोने की गले की चैन समेत करीब दस लाख रुपए का सामान चोरी कर ले गए। चोरी की सूचना पर 100 नंबर वाले पुलिस कर्मी घटना का निरीक्षण करने आए।पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पुलिस को तहरीर दी है।

कानपुर में अभियान के दौरान इंस्पेक्टर इंदु यादव ने किया शातिर नौशाद को गिरफ्तार

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां की कमिश्नरेट पुलिस ने फरार चल रहे एक साथी अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त कर ली। उसके पास से पुलिस ने मोटरसाइकिल मोबाइल और पर्स भी जप्त किया है। जानकारी के मुताबिक पुलिस को यह महत्व पूर्ण सफलता तब मिली जब सीसामऊ की अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक इंदु यादव के नेतृत्व में उप निरीक्षक विष्णु शर्मा व अन्य पुलिस कर्मियों द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान काफी समय से वांछित चल रहा शातिर अपराधी नौशाद उनके हत्थे चढ़ गया। चमन गंज थाना क्षेत्र में रहने वाले शातिर अपराधी ने इस दौरान भागने की भी कोशिश की लेकिन पुलिस की तगड़ी घेराबंदी के चलते वह भाग नहीं पाया और उसे अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हो पीड़ितों की तत्काल सहायता के लिए भी चर्चित सीसामऊ की जुझारू तेवरों वाली तेजतर्रार और व्यवहार कुशल अतिरिक्त इंस्पेक्टर इंदु यादव की नेतृत्व वाली टीम ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि चमनगंज निवासी इस शातिर अपराधी नौशाद को अपाचे बाइक, मोबाइल एवं पर्स के साथ गिरफ्तार किया गया है। अब पुलिस उसके फरार साथियों की भी तलाश कर रही है।

रईसुद्दीन का हुआ इंतकाल

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। रईसुद्दीन का इंतकाल हो गया है, 14 अगस्त को उन्हे ब्रेन हेमरेज हुआ था, तब से वो बेहोशी की हालत में थे, उम्र 65 साल थी और वो ओएनजीसी से वीआरएस लेकर सऊदी अरेमको से 5 साल पहले रिटायर हुए थे और मुंबई में अपने 3 बच्चो के साथ रह रहे थे। एक बेटी और 2 बेटे जिन्होंने अभी हाल ही में पढ़ाई पूरी की है। मूल रूप से अमरोहा के रहने वाले है और उनके खानदान में कोई भी नही है। सिर्फ ससुराल पक्ष के लोग है। इंतकाल मुंबई के जे.जे. हॉस्पिटल में हुआ है। 2 दिन पहले यहां शिफ्ट किया गया था। पहले एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आईसीयू और वेंटीलेटर पर थे जहां उनका खर्चा 70 हजार प्रति दिन आ रहा था इसलिए गवर्नर साहब आदरणीय कोश्यारी ने 2 दिन पहले उनकी मदद करते हुए एक बड़े और प्रतिष्ठित सरकारी अस्पताल जेजे हॉस्पिटल में उनको शिफ्ट कराया था। उनको सुपुर्द एक खाक कर दिया गया है।

मारवाड़ शेख सैयद मुगल पठान विकास समिति की वार्षिक बैठक आयोजित हुई

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। मारवाड़ शेख सैयद मुगल पठान विकास समिति के जिला प्रवक्ता नदीम बक्ष ने बताया की मन्डोर तंहापीर दरगाह के पास आयोजित हुई जिसमे समिति की जानिब से आठवा सामुहिक विवाह सम्मेलन का सफल संचालन होने के उपलक्ष्य मे गोट का भी आयोजन किया गया समिति अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष ने बताया की पुरे साल सभी प्रोगामो के आयोजन को लेकर यह बैठक का आयोजन किया गया था जिसमे समिति के सभी पदाधिकारियो व सभी सदस्यों ने हिस्सा लिया व समिति के कार्य जेसे सामुहिक विवाह सम्मेलन,मेडीकल शिविर,शिक्षा के प्रति जागरूकता को लेकर,विधवा पेंशन,बेटी बचाओ बेटी पढाओ,रक्त दान शिविर,नशा छोड़ो घर जोड़ो, प्रतिभा सम्मान समारोह,व अन्य सभी कार्य पर अलग अलग विचार विमर्ष किया गया वही बैठक मे सभी हिस्सा लेने वालो के लिए समिति की ओर से एक परंपरागत गोठ का भी इंतजाम किया गया जिसमे उप महापौर अब्दुल करीम जोनी, पार्षद मे कु,जाफरान,असलम खान,नदीम इकबाल,जावेद खान, हसन खान,ने भी हिस्सा लिया राजु ईशतियाक अली, व इंसान अली भाईजान की ओर से उस्ताद हाजी हमीम बक्ष को 8 वार के सफल सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने पर साफा माला पहनाकर व मेमोनटो चिन्ह देकर सम्मानित किया व बक्ष ने कहा आगे भी इसी तरह समाज के लिए सभी कार्यक्रमो के सफल आयोजन करते रहेंगे। बैठक में यह रहे मौजुद उस्ताद हाजी हमीम बक्ष, नियामत पठान, इमदाद अली शेरू भाई,उस्ताद अ वहीद खान, फिरोज खान,इंसाफ अली भाईजान, रमजान अली पप्पू, राजु ईशतियाक अली,अजीज पठान,मेहबुब भूरा भाई,बिलाल खान, अकबर, जे के, उस्ताद शफी,शोएब खान, अ वहाब पप्पू, मोहम्मद रईस, आमीन खान, मोहम्मद हासीब,रईस बक्ष, मोहसिन शेख, साकिर शेख, एजाज मोहम्मद, फेजान बक्ष,सेफ अली, रिजवान खान, व सभी पदाधिकारी व सदस्य भी उपस्थित थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

खाली पेट खाएं इन 2 चीजों को मिलाकर, मिलेंगे ये फायदे!

शहद और लहसुन का इस्तेमाल हर घर में किया जाता है। शहद में कई एंटी बायोटिक और एंटी बैक्टीरियल जैसे गुण होते है, वहीं लहसुन में एलिसिन और फाइबर जैसे फायदेमंद न्यूट्रिएंट्स होते है, जिनका सेवन करने से स्वास्थ्य संबंधी की तरह की बीमारियां दूर रहती है। अगर इन दोनों को एक साथ मिलाकर खाया जाएं तो यह और भी फायदा पहुंचाते है। इनके मिश्रण कई बड़ी बीमारी भी खत्म हो जाती है। आइए जानते है लहसुन और शहद को रोजाना मिलाकर खाने के कुछ फायदे।

वजन कम: शहद और लहसुन को मिलाकर खाने से शरीर का वजन कम होता है। साथ ही मोटापे परेशानी से छुटकारा मिलता है।

दिल की बीमारियां: इन दोनों चीजों को मिलाकर खाने से कोलेस्ट्रॉल कम होता है और शरीर का ब्लड सकुर्लेशन ठीक रहता है।

मजबूत दांत: इनमें मौजूद फस्फोरस से दांत मजबूत रहते है। यह दांतों से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने का काम करता है।

कैंसर: लहसुन और शहद में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स कैंसर के मरीज के लिए बेहतर है। इससे कैंसर का खतरा कम होता है।

संक्रमण: इन दोनों में एंटीबैक्टीरियल गुण होते है, जो फंगल इंफैक्शन को दूर करने का काम करते है।

सर्दी-जुकाम: इन दोनों चीजों को मिलाकर खाने से शरीर में गर्मी बढ़ती है और सर्दी-जुकाम की समस्या कम होती है।

डिटॉक्स: यह नैचुरल डिटॉक्स का मिश्रण है। इसको खाने से शरीर की अंदर से सफाई हो जाती है।

गले की खराश: इसमें एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते है, जिससे गले की खराश दूर होती है साथ ही गले से जुड़ी अन्य बीमारियां दूर होती है।

आपकी ये 5 आदत बना सकती हैं आपको बहरा

कान एक शरीर का महत्तवपूर्ण अंग है। इसके बिना सुनने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। लेकिन क्या आप जानते हैं रोजाना आप कुछ ऐसी चीजों का इस्तेमाल करते हैं जिससे आपके कानों को नुकसान पहुंचता है। जैसे- ईयरबड्स से कान की सफाई, हल्की खुजली होने पर उंगली से खुजलाना, बहुत तेज आवाज में ईयरफोन से गाना सुनना, आदि। आज हम आपको बताएंगे कि कौन-कौन सी आदतें आपके कान को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

1. कैंडल का इस्तेमाल

कान में खुजली हो या फिर कान से मैल निकालनी हो, ज्यादातर लोग कैंडल का इस्तेमाल करते है। इसे ईयर कैललिंग भी कहा जाता है। इसका इस्तेमाल करने से कान अंदर से सूख जाते हैं जिससे कि सुनने की क्षमता कम हो जाती है।

2. ईयरफोन का इस्तेमाल

आजकल तेज आवाज में गाने सभी सुनते हैं लेकिन क्या आपको पता है तेज आवाज में गाना सुनने से आप बहरे भी हो सकते हैं। अगर आपके अंदर भी ये आदत है, तो इस आदत को बदल दें।

3. कान में उंगली डालना

कान में खुजली होने पर कुछ लोग बिना कुछ सोचे-समझे कान में उंगली डाल कर खुजलाने लगते हैं। इससे आपको भले थोड़ी देर के लिए राहत मिलती हो पर ऐसा करना भी आपके लिए काफी नुकसानदायक साबित हो सकता है क्योंकि हाथों के नाखूनों में बैक्टीरिया होता हैं जिससे कान के अंदर संक्रमण होने का खतरा बना रहता है।

4. कान में दर्द होने पर

अगर कभी कान में दर्द होने लगता है तो कुछ लोग डॉक्टर को दिखाने के बजाए खुद ही घर में इलाज करने लग जाते हैं। ऐसा करना ठीक नहीं है। इससे आपके कानों को नुकसान भी पहुंच सकता है। इसलिए बेहतर यही होगा कि खुद इलाज करने के बजाए आप डॉक्टर के पास जाएं।

5. कान में अन्य चीजों को डालना

कुछ लोगों की आदत होती हैं कि वह कान में कोई ना कोई चीजें डालते रहते है जैसे- पैन, पैंसिल आदि। आपके ऐसा करने पर भी कान में संक्रमण हो सकता है। इसलिए बेहतर यही होगा कि आप ऐसा न करें।

शरीर पर एल्काहोल को रगड़ने से मिलते हैं ये जबरदस्त फायदे

एल्काहोल, इसके होने वाले नुकसान के बारे में तो सभी जानते हैं लेकिन क्या आप इसके फायदों के बारे में जानते हैं। जी हां, बिल्कुल अगर एल्कोहोल को सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो यह आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता हैं। आज हम आपको बताएंगे कि एल्काहोल से आपको कौन-कौन से फायदे मिल सकते हैं।

1. कान से जूड़ी समस्या दूर करें

कई बार ऐसा होता है कि नहाते समय कान में पानी चला जाता है जिसकी वजह से कान में खुजली होने लगती है। इससे कान में संक्रमण होने का भी डर बना रहता है। ऐसे में एल्काहोल का इस्तेमाल किया जा सकता हैं। एल्काहोल की कुछ बूंदे कान में डालें फिर कान को धीरे-धीरे रगड़े।

2. घाव भरें

अगर आपको चोट लग गई है तो ऐसे में एल्काहोल आपके घाव को भरने में काफी मदद करेगा। एल्कोहल को कॉटन पर लगाकर घाव पर लगाएं फिर 10 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। शुरूआत में आपको हल्की सी जलन महसूस होगी लेकिन घाव में इंफेक्शन होने का डर नहीं रहेगा।

3. नाखूनों को संक्रमण से बचाएं

पैरों के नाखूनों पर अगर संक्रमण हो जाए तो नाखूनों का रंग सफेद या पीला पड़ने लगता हैं। जिसके कारण नाखून कठोर और उनमें दरारें पड़ने लगती है। ऐसे में आप एल्काहोल को कॉटन बॉल पर लेकर अपने नाखूनों पर लगा सकते हैं। इसे लगभग 30 मिनट तक लगा रहने दें। फिर धोकर पैरों को पोंछ लें।

4. मसल्स पेन दूर करें

ज्यादातर लोगों को मांसपेशियों में दर्द की शिकायत रहती हैं। इस दर्द को दूर करने के लिए आप एल्काहोल का इस्तेमाल कर सकते हैं। मसल्स पर एल्काहोल को रगड़े और इसे 1 घंटा ऐसी लगा रहने दें फिर पानी से धो लें। ऐसा करने से दर्द कम हो जाएगा।

फूल रहा है पेट तो खाएं ये चीजें, तुरंत मिलेगा आराम

पेट फूलने की समस्या किसी भी उम्र में हो जाती है। खासकर, ऐसा तब होता है जब आपका खान-पान गलत हो जाता है। इसलिए आपको सबसे पहले अपने खान-पान पर ज्यादा ध्यान देना होगा कि आपको क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए। आज हम आपको कुछ ऐसी चोजों के बारे में बतांएगे जिसका सेवन करके आप फूलते हुए पेट की समस्या को काफी हद तक कंट्रोल में कर सकते हैं।

1. अदरक

अदरक में एंटी इंफ्लेमेटरील और एंटी एमेटिक प्रॉपटी मौजूद होती हैं जो पेट फूलने की समस्या को काफी हद तक कंट्रोल में रखते हैं।

2. पुदीना और धनिया

अपने आहार में रोजाना आपको फ्रैश हर्ब्स शामिल करने चाहिए। इसका सेवन करने से भी आपको बहुत फायदा मिलता हैं।

3. फ्रूट जूस

ज्यादातर लोग फ्रूट जूस पीने की जगह सॉफ्ट ड्रिंक्स पीना ज्यादा पंसद करते हैं और उन्हें फिर गैस जैसी समस्या शुरू होने लगती हैं। इसलिए बेहतर यही है कि आप सॉफ्ट ड्रिंक्स की फ्रूट जूस का सेवन करें। इसे आपको गैस की समस्या की कोई परेशानी भी नहीं होगी।

4. खीरा

खीरा पेट फूलने की समस्या को कम करने में काफी सहायक है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है जो पेट फूलने की समस्या को कम करते हैं।

करें इन चीजों से परहेज

प्याज, लहसुन और पत्ता गोभी, यह चीजे पेट फूलने का कारण बनती हैं। क्योंकि इनमें कार्बोहाइड्रेड और बैक्टीरिया मौजूद होते हैं जो पेट में गैस पैदा करते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बॉयफ्रेंड से हुई जाह्नवी की लड़ाई

बॉलीवुड की डीवा कही जाने वाली जाह्नवी कपूर एक बार फिर से चर्चा में बनी हुई हैं। जाह्नवी कभी अपने प्रोफेशनल लाइफ को लेकर तो कभी अपने पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। वही हम ये भी जानते हैं की जाह्नवी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। आए दिन एक्ट्रेस अपनी बोल्ड फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। वही जाह्नवी पार्टीज की भी खूब शौकीन और आए दिन वो पार्टीज में स्पॉट भी होती रहती हैं। वही हाल ही में एक बार फिर से जाह्नवी कपूर को उनके दोस्तों के साथ पार्टी करते स्पॉट किया गया। इस दौरान जाह्नवी कपूर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जो कि काफी तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल जान्हवी कपूर को अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड ओरहान अवत्रामणि के साथ पार्टी करने के बाद एक रेस्तरां के बाहर देखा गया। वही जान्हवी, जो हमेशा एक प्यारी सी मुस्कान के साथ पैप्स का स्वागत करती हैं, वह इस बार परेशान दिख रही थीं और वह सीधे अपनी कार की ओर चली गईं। वही दूसरी ओर ओरहान को रेस्तरां के एंट्री गेट पर खड़े होकर 'जान्हवी निकल गई।' कहते हुए सुना जा सकता है। वही जाह्नवी कपूर का अब ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है और सोशल मीडिया यूजर्स के बीच इस बात की चर्चा जोरों पर है कि एक्ट्रेस का मूड काफी ऑफ नजर आ रहा है। इसके साथ ही बातें ये भी कही जा रही हैं की पार्टी में जाह्नवी कपूर और उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड की लड़ाई हो गई जिसके कारण एक्ट्रेस ऐसे गुस्से में दिखाई दे रही हैं।

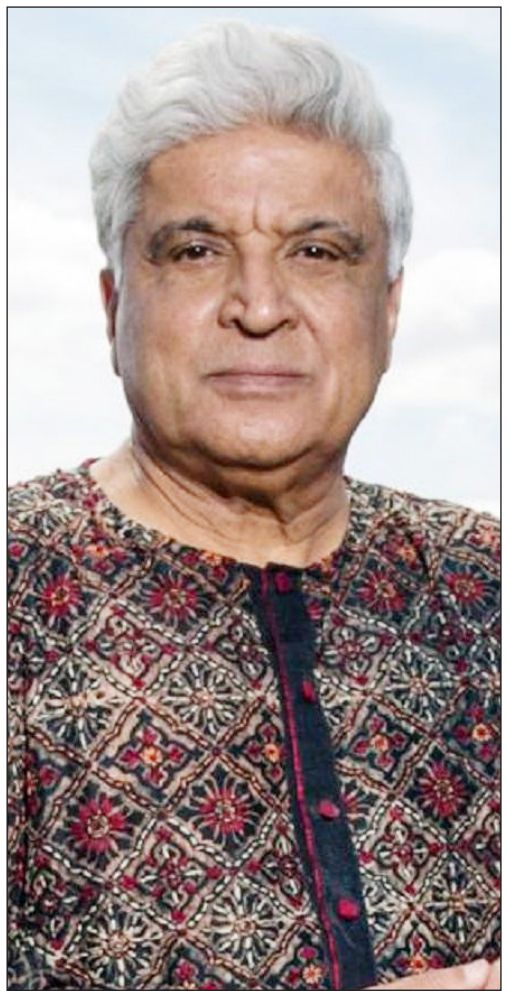

भड़के जावेद अख्तर

गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो संग गैंगरेप की घटना ने हिंदुस्तान का सिर शर्म से झुका दिया था, अब उस वहशीपन के 11 दोषियों को जेल से रिहा कर दिया गया है। महिलाओं के खलिाफ बढ़ते अत्याचार पर कठोर कानून की जरूरत की आवाज के बीच, सोशल मीडिया पर इस प्रशासनिक फैसले की खूब आलोचना हो रही है। इसी कड़ी में बॉलीवुड के दिग्गज गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने भी रिहाई के फैसले का कड़ा विरोध किया है। अपनी बेबाकी के लिए मशहूर जावेद अख्तर ने साफ शब्दों में फैसले की आलोचना की है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हमारे समाज के साथ कुछ न कुछ बुरा हो रहा है, जिसे हम सिर्फ महसूस कर पा रहे हैं। जावेद अख्तर ने इसकी आलोचना करते हुए ट्वीट किया, जिन लोगों ने 5 महीने की गर्भवती महिला का गैंगरेप किया। उसके परिवार के 7 लोगों की हत्या कर दी। उस महिला की 3 साल की मासूम बेटी को भी नहीं बख्शा, उन्हें जेल से रिहा कयिा गया, मिठाई दी गई और फूलों की माला पहनाई गई। मुझे लगता है कि हमारे समाज के साथ गंभीर रूप से कुछ गड़बड़ी है।

भड़कीं स्वरा भास्कर

एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने फिलहाल बॉलीवुड के प्रति नफरत फैल रही है, जिसने एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या करने के बाद तेजी पकड़ ली है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि जब से सुशांत ने सुसाइड किया है, तब से बॉलीवुड को ड्रग्स, सेक्स और शराब में लिप्त दिखाया जाता है। उसके बाद उन्होंने ये भी पूछा कि जब सभी ये कर रहें तो फिल्में कौन बना रहा है। स्वरा ने बताया, मुझे इस तरह का विभाजन पसंद नहीं है। मुझे लगता है कि कलाकारों के रूप में एक इंडस्ट्री के रूप में, अगर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा करती हैं, तो यह सभी के लिए अच्छा है। मुझे लगता है कि किसी की विफलता को बांटना और उसका जश्न मनाना या किसी और की सफलता से ईर्ष्या करना बहुत मूर्खतापूर्ण और तुच्छ है। आप एक एक्टर को नापसंद कर सकते हैं और नेपोटिज्म के बारे में बोल सकते हैं, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री वास्तव में नौकरियां पैदा करती है। यह लोगों को रोजगार दे रही है। इसलिए मुझे वास्तव में नहीं लगता कि जश्न मनाने के लिए कुछ भी है। बायकॉट पर स्वरा ने कहा, ट्विटर पर और सोशल मीडिया पर यह पूरा चलन है, वे बॉलीवुड को नीचे लाना चाहते हैं। मुझे यह बहुत छोटा लगता है और घटिया भी, क्योंकि मुझे लगता है कि ये लोग अंदर हैं उनकी अंधी नफरत यह भूल रही है कि बॉलीवुड कई लोगों को रोजी-रोटी देता है।